

## Behavioural Science (Psychology & Sociology) 01

Q. मनोविज्ञान की परिभाषा लिखिए एवं इसके कार्य क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

Define psychology and explain the scope of psychology.

उत्तर- मनोविज्ञान की परिभाषा (Definition of Psychology):

अरस्तू के अनुसार मनोविज्ञान मन का विज्ञान है।

According to Aristotle, psychology is the science of mind.

वाट्सन के अनुसार -

मनोविज्ञान मानव-व्यवहार का सकारात्मक विज्ञान है। "Psychology is the positive science of behaviour"

पील्सबरी के अनुसार -

मनोविज्ञान मानव-व्यवहार का विज्ञान है। "Psychology is the science of human behaviour."

मनोविज्ञान का क्षेत्र (Scope of Psychology):

इसके अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्र आते हैं-

The following areas come under this-

### 1. सामान्य मनोविज्ञान (General Psychology)

सामान्य मनोविज्ञान प्राणियों के सामान्य व्यवहार का साधारण परिस्थितियों में अध्ययन करता है।

यह मनोविज्ञान के सामान्य सिद्धांतों (general principles) व मौलिक नियमों (fundamental rules) का अध्ययन करता है।

इसमें सामान्य व्यक्ति के मानसिक जीवन से संबंधित संवेदनाओं, प्रेरणाओं, स्मृतियों, संवेगों, कल्पना, चिंतन, सीखना, व्यक्तित्व, कुण्ठा तथा इसी प्रकार की अन्य मानवीय गतिविधियों व क्रियाओं (activities) और मानसिक प्रक्रियाओं (mental methods) का अध्ययन किया जाता है।

General psychology studies the normal behavior of living beings under ordinary circumstances.

It studies the general principles and fundamental rules of psychology.

In this, the sensations, inspirations, memories, emotions, imagination, thinking, learning, personality, frustration and other similar human activities and mental methods related to the mental life of an ordinary person are studied.

### 2. असामान्य मनोविज्ञान (Abnormal Psychology)

मनोविज्ञान की इस शाखा में मानव के असाधारण तथा असामान्य व्यवहारों का

अध्ययन किया जाता है।

यह विभिन्न प्रकार की मनोविकृतियों और दूसरे प्रकार की असामान्यताओं, उनके कारणों तथा उपचार का अध्ययन करता है, साथ ही अन्य असाधारण मानसिक अवस्थाओं, जैसे दिवा-स्वप्न (day-dream), स्मृति-भ्रम (loss of memory), सम्मोहन (hypnosis), आदि का भी इसी विधा में अध्ययन किया जाता है।

In this branch of psychology, the extraordinary and abnormal practices are studied. It studies various types of psychiatrists and other types of abnormalities, their causes and treatment, as well as other extraordinary mental states, such as Day-Dream, Memory-Illusion (LOSS of MEMORY), Hypnosis, etc. are also studied in this mode.

### 3. मानव मनोविज्ञान (Human Psychology)

मनोविज्ञान की इस शाखा में केवलमात्र मनुष्यों के व्यवहारों का ही अध्ययन किया जाता है इसके अतिरिक्त और किसी भी बात का नहीं।

In this branch of psychology, only human behavior is studied and nothing else.

### 4. व्यक्ति मनोविज्ञान (Individual Psychology)

इस शाखा में व्यक्तियों के व्यक्तिगत भेदों (individual differences) के बारे में अध्ययन किया जाता है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से कुछ न कुछ भिन्न अवश्य होता है।

In this branch, study is done about individual differences of people, because naturally one person is different from the other person in some way or the other.

### 5. प्रौढ़ मनोविज्ञान (Adult Psychology)

इस शाखा में प्रौढ़ व्यक्तियों के विभिन्न व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है क्योंकि प्रौढ़ व्यक्ति का व्यवहार बालक के व्यवहार से भिन्न होता है।

In this branch, various behaviours of adult people are studied because the behaviour of an adult person is different from the behaviour of a child.

### 6. बाल मनोविज्ञान (Child Psychology)

बालक की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, गामक (motor) तथा संवेगात्मक (emotional) परिस्थितियां प्रौढ़ से भिन्न होती हैं, अतः इसका व्यवहार भी प्रौढ़ से भिन्न होता है।

यही कारण है कि बालक के व्यवहारों का अलग से अध्ययन किया जाता है और इस विधा (form) को बाल मनोविज्ञान कहा जाता है।

The physical, mental, social, motor and emotional conditions of a child are different from those of an adult, hence his behaviour is also different from that of an adult.

This is the reason why the behaviour of a child is studied separately and this form is called child psychology.

## 7. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान (Experimental Psychology)

मनोविज्ञान के अध्ययन की यह सबसे महत्वपूर्ण विधि है।

इस प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में मानसिक प्रक्रियाओं और व्यवहार के अध्ययन हेतु नियंत्रित परिस्थितियों में वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है।

प्रयोगात्मक मनोविज्ञान बाह्य व्यवहार के साथ ही मानव विकास की विभिन्न अवस्थाओं में आंतरिक

प्रक्रियाओं (internal processes) का भी अध्ययन करती है।

This is the most important method of studying psychology.

In this experimental psychology, scientific methods are used under controlled conditions to study mental processes and behaviour.

Experimental psychology studies not only external behaviour but also internal processes in different stages of human development.

## 8. परामनोविज्ञान (Parapsychology)

यह मनोविज्ञान की नव-विकसित शाखा है।

इस शाखा के अंतर्गत मनोवैज्ञानिक अतीन्द्रिय (super sensible) और इन्द्रियेतर (extra sensory) प्रत्यक्षों का अध्ययन करते हैं।

ये अतीन्द्रिय तथा इन्द्रियेतर अवबोधन (understanding) पूर्व जन्मों से संबंधित होते हैं।

This is a newly developed branch of psychology.

Under this branch, psychologists study super sensible and extra sensory perceptions.

These extra sensory and extra sensory understandings are related to past lives.

### 9. विकासात्मक मनोविज्ञान (Developmental Psychology)

मनोविज्ञान गत्यात्मक है (psychology is dynamic)। यह मानव का एक गतिशील व विकासशील प्राणी के रूप में अध्ययन करती है।

मनोविज्ञान की यह शाखा मानव-विकास की विभिन्न अवस्थाओं जैसे शिशु अवस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वयस्कावस्था, वृद्धावस्था के साथ इन अवस्थाओं में होने वाले मानव-व्यवहार का भी अध्ययन करती है।

Psychology is dynamic. It studies human being as a dynamic and developing being.

This branch of psychology studies various stages of human development such as infancy, childhood, adolescence, adulthood, old age along with the human behaviour in these stages.

### 10. शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology)

यह व्यावहारिक मनोविज्ञान की वह शाखा है जो शैक्षिक परिस्थितियों में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, संकल्पनाओं और तकनीकों को मानव-व्यवहार पर लागू करती है।

शिक्षण में मनोवैज्ञानिक ढंग व साधनों से सुधार करना शिक्षा मनोविज्ञान की मुख्य विषय-वस्तु है।

शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक की उन सुविधाओं के विकास में सहायता करता है जिनसे

छात्र को उसकी मनोवैज्ञानिक क्षमताओं के अनुसार शिक्षित किया जा सके।

This is that branch of practical psychology which applies psychological principles, concepts and techniques to human behaviour in educational situations.

Improving teaching with psychological methods and means is the main subject matter of educational psychology.

Educational psychology helps the teacher in developing those facilities through which the student can be educated according to his psychological abilities.

## 11. औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology)

व्यावहारिक मनोविज्ञान की इस शाखा में औद्योगिक वातावरण में मानव-व्यवहार के अध्ययन के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, नियमों व तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

ग्राहक की मनोवृत्ति (mental attitude) का अध्ययन करके व्यापारी वस्तुओं व सेवाओं की गुणात्मकता के साथ ही खरीददारी, बिक्री व विज्ञापन के तरीकों के बारे में जान सकते हैं।

इसके अतिरिक्त यह मनोविज्ञान उद्योगपतियों को मजदूरों से सम्बन्ध बनाये रखने में, मजदूरों के चयन, भर्ती व प्रशिक्षण में, मजदूरों की समस्याओं के निराकरण करने में सहायता करता है।

In this branch of applied psychology, psychological principles, rules and techniques are used to study human behaviour in industrial environment.

By studying the mental attitude of the customer, businessmen can know about the quality of goods and services as well as the methods of buying, selling and advertising.

Apart from this, this psychology helps industrialists in maintaining relations with workers, in selection, recruitment and training of workers, and in solving the problems of workers.

## 12. नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology)

मनोविज्ञान की इस शाखा में मानसिक रोगों तथा असामान्य व्यवहार के कारण, लक्षण, प्रकार, निदान तथा उपचार की विभिन्न विधियों का अध्ययन किया जाता है।

इसके अन्तर्गत नैदानिक मनोविशेषज्ञ (clinical psychologist) मानसिक रोगों के कारणों का पता लगाकर व्यक्तिगत समूह उपचार (mass therapy), मार्गदर्शन और परामर्श द्वारा मनोरोग से ग्रस्त व्यक्ति का उपचार करते हैं। वर्तमान समय में Clinical Psychology का महत्व बढ़ता जा रहा है।

In this branch of psychology, the causes, symptoms, types, diagnosis and various methods of treatment of mental diseases and abnormal behavior are studied.

Under this, clinical psychologists find out the causes of mental diseases and treat the person suffering from mental illness through individual group treatment (mass therapy), guidance and counseling. In present times, the importance of Clinical Psychology is increasing.

## 13. परामर्श मनोविज्ञान (Counselling Psychology) –

मनोविज्ञान का एक अत्यन्त व्यावहारिक अनुप्रयोग व्यावसायिक परामर्श के क्षेत्र में है। व्यावसायिक परामर्श मनोविज्ञान युवा व्यक्तियों को उनकी क्षमता और प्रतिभा के अनुसार अपना career चुनने में मदद करता है।

A very practical application of psychology is in the field of vocational counseling.

Vocational counseling psychology helps young people choose a career according to their abilities and talents.

#### 14. वैधानिक मनोविज्ञान (Legal Psychology) -

इस मनोविज्ञान का न्यायिक (law and justice) क्षेत्र में उपयोग किया जाता है।

इसके द्वारा अपराध के निर्धारण, झूठे गवाहों की पहचान करने में, विवाद व कानूनी मामलों को अच्छी तरह से समझने में सहायता मिलती है।

This psychology is used in the judicial field (law and justice).

It helps in determining crime, identifying false witnesses, and understanding disputes and legal matters well.

#### 15. सैन्य मनोविज्ञान (Military Psychology)

मनोविज्ञान की यह शाखा मिलिट्री साइंस के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का प्रयोग करती है।

सैन्य सेवाओं में भर्ती, प्रशिक्षण, नेतृत्व, युद्ध के समय में सैनिकों के मनोबल को बनाये रखने में। Intelligence Services का सैनिकों व सैन्य अधिकारियों के मध्य संपर्क स्थापित करने, आदि इस शाखा की विषय-वस्तु हैं।

This branch of psychology uses psychological principles in the field of military science.

Recruitment in military services, training, leadership, maintaining the morale of soldiers during war, establishing contact between soldiers and military officers, etc. are the subjects of this branch.

## 16. राजनीतिक मनोविज्ञान (Political Psychology)

राजनीति के क्षेत्र में भी मनोविज्ञान के नियमों का उपयोग किया जाता है।

समूह व्यवहार का ज्ञान, जनता की धारणा, नेतृत्व के गुण, प्रचार का मनोविज्ञान, राजनीतिक कला, चुनाव प्रशासन, कानून, आदि क्षेत्र इसकी अध्ययन सामग्री हैं।

उपर्युक्त विवेचनों (interpretations) से स्पष्ट है कि मनोविज्ञान का अध्ययन-क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है।

मनोविज्ञान के विषय-क्षेत्र (सैद्धान्तिक व व्यावहारिक मनोविज्ञान) में मनुष्य के प्रत्येक पहलू को शामिल किया जाता है।

The rules of psychology are also used in the field of politics.

Knowledge of group behaviour, public perception, leadership qualities, psychology of propaganda, political art, election administration, law, etc. are its study material.

It is clear from the above interpretations that the study area of psychology is very wide.

Every aspect of human being is included in the subject area of psychology (theoretical and practical psychology).

Q. नर्सों के लिए मनोविज्ञान का महत्व समझाइए।

Explain the importance of psychology for nurses.

एक नर्स के लिए मनोविज्ञान का महत्व निम्नलिखित हो सकते हैं :-

✓ मनोविज्ञान की शिक्षा में नर्स मरीज के normal व असामान्य व्यवहार (abnormal behaviour) में भेद कर सकती है।

✓ मनोविज्ञान की जानकारी से नर्स मरीज व परिजनो की भावनाओं, mood (मनोस्थिति) को भली प्रकार समझ सकती है।

✓ मरीजों में सकारात्मक दृष्टिकोण (positive attitude) जगाना एक प्रमुख नर्सिंग कार्य है जिसमें साइकोलोजी मदद करती है।

✓ सर्जरी से पहले या किसी जटिल टेस्ट से पूर्व मरीजों को मानसिक रूप से तैयार करना (psychological preparation) महत्वपूर्ण नर्सिंग जिम्मेदारी है। मनोविज्ञान का अध्ययन नर्स को इसमें मदद करता है।

✓ मरीज की अनेक शारीरिक समस्या का कारण मानसिक दशाएं होती है। नर्स हेतु

इनका ज्ञान होना आवश्यक है।

✓• इससे नर्स को स्वयं के व्यक्तित्व, मनोवृत्ति, पूर्वाग्रहो (prejudices) के बारे में भी जागरूकता आती है व सुधार होता है।

✓इससे व भिन्न-भिन्न आयु वर्गों, बच्चो, वृद्धो, वयस्को के साथ अन्तर्क्रिया करना व उनके मानसिक स्तर के अनुसार सफल therapeutic NPR बना पाती है।

✓मनोविज्ञान के ज्ञान से नर्स स्वयं में आत्मविश्वास में वृद्धि होती है व सफल कैरियर की दिशा में आगे बढ़ती है।

✓मनोविज्ञान के अध्ययन से नर्सों को सफलतापूर्वक साइकोथैरेपी प्रदान करती है।

The importance of psychology for a nurse can be as follows:-

✓With the education of psychology, the nurse can differentiate between the normal and abnormal behaviour of the patient.

✓ With the knowledge of psychology, the nurse can understand the feelings and mood of the patient and the relatives very well.

✓ Awakening a positive attitude in patients is an important nursing task in which psychology helps.

✓• Psychological preparation is an important nursing responsibility to prepare patients before surgery or before any complex test. The study of psychology helps the nurse in this.

✓ Many physical problems of the patient are caused by mental conditions. It is necessary for the nurse to have knowledge of these.

✓• This also makes the nurse aware of her own personality, attitude, prejudices and improves them.

✓ This enables the nurse to interact with different age groups, children, elderly and adults and prepare a successful therapeutic NPR according to their mental level.

✓ With the knowledge of psychology, the nurse gains confidence in herself and moves forward towards a successful career.

✓ With the study of psychology, nurses successfully provide psychotherapy to the patient.